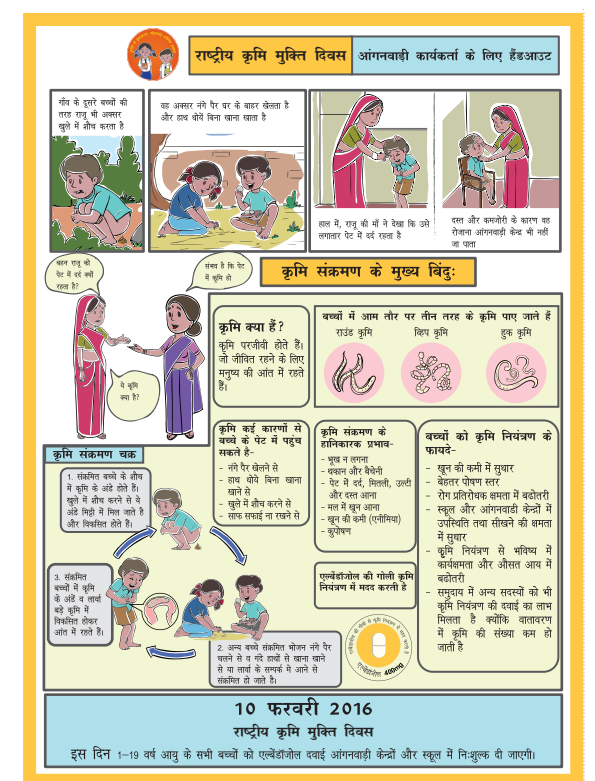


10 सितम्बर 2016



प्रशिक्षक के लिए निर्देश

- यह फ्लिपचार्ट पढ़कर और प्रशिक्षक के नोट्स विस्तारपूर्वक समझकर प्रशिक्षण सत्र की पहले से तैयारी करें।
- प्रशिक्षण शुरू होने से पहले, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को हैंडआउट बांट दें। सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षण के समय हैंडआउट को भी समझाएँ।
- प्रशिक्षण में हैंडआउट के साथ जुड़े रिपोर्टिंग फॉर्म और दिशा निर्देश विस्तार में समझाएँ।
- आपको फ्लिपचार्ट में दी गई 10 महत्वपूर्ण जानकारी प्रशिक्षण में ज़रूर शामिल करनी हैं। इन में से कोई भी जानकारी न छोड़ें। इस फ्लिपचार्ट में प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) के लिए एक चित्र और प्रशिक्षक के लिए नोट्स दिए गए हैं।
- प्रशिक्षण बातचीत के माध्यम से करें, और सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) सीख रहे हैं।



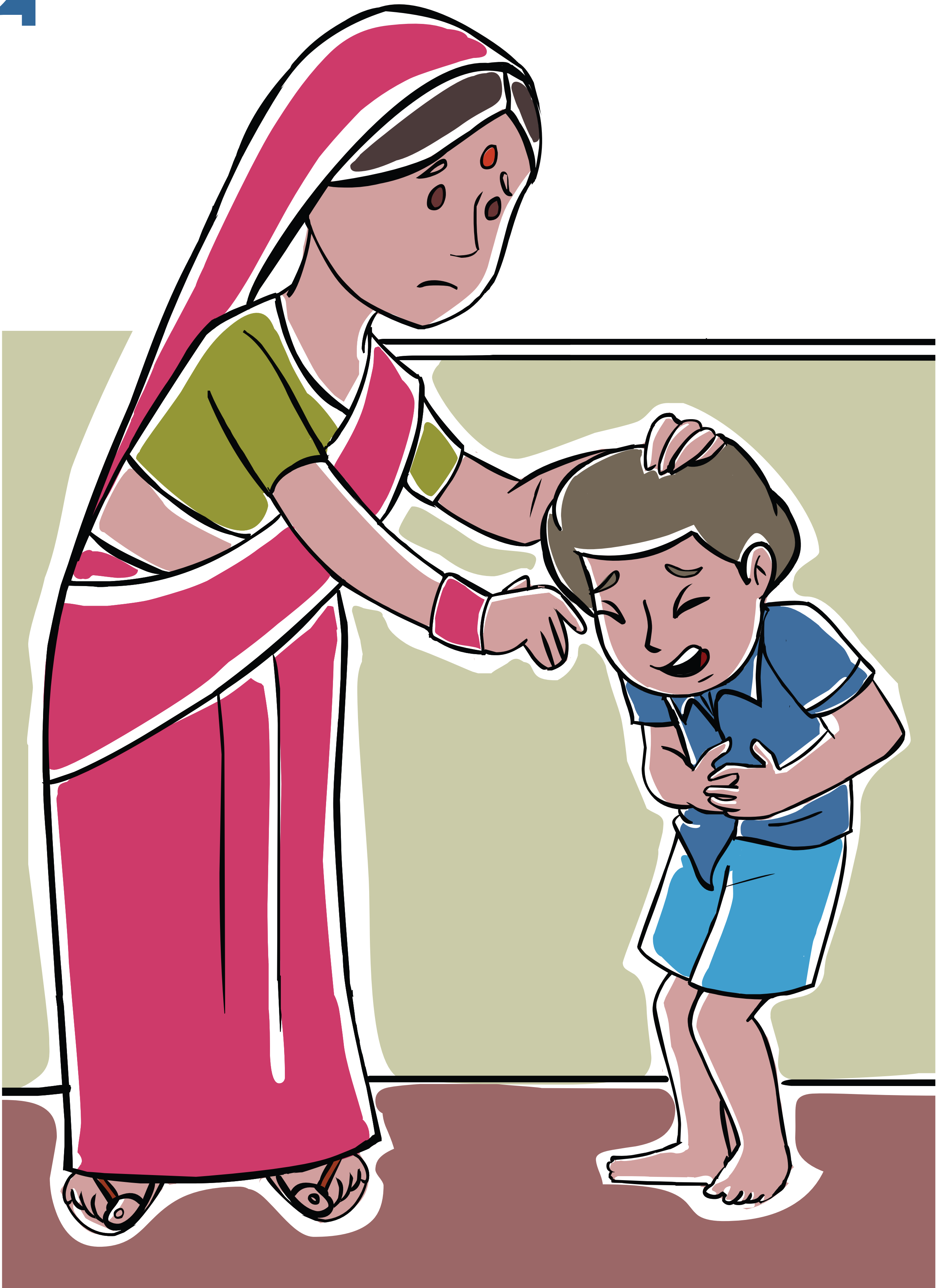
हैंडआउट



गाँव के दूसरे बच्चों की तरह
राजू भी खुले में शौच करता है।

यह राजू है। गाँव के अन्य बच्चों की तरह वह:

- नंगे पैर खेलता व घूमता है
- बिना हाथ धोए खाना खाता है
- खुले में शौच करता है
- शौच करने के बाद हाथ नहीं धोता है
- फल व सब्जियाँ बिना धोए खाता है
- खाने को ढक कर नहीं रखता जिससे खाना दूषित हो सकता है



राजू अक्सर बीमार रहता है। दस्त और कमजोरी
के कारण राजू आंगनवाड़ी भी नहीं जा पाता।

अक्सर राजू को यह लक्षण महसूस होते हैं:

- खून की कमी (अनीमिया)
- कुपोषण
- बेचैनी
- पेट में दर्द, मितली, उल्टी, दस्त
- भूख न लगना
- थकान
- वज़न में कमी

ये सारे लक्षण कृमि संक्रमण के कारण हो सकते हैं
- कृमि यानी आंत के कीड़े।

1. संक्रमित बच्चे के शौच में कृमि के अंडे होते हैं। खुले में शौच करने से ये अंडे मिट्टी में मिल जाते हैं और विकसित होते हैं।



3. संक्रमित बच्चों में कृमि के अंडे व लार्वा रहते हैं और बच्चों के स्वास्थ्य पर हानि पहुँचाते हैं।

2 अन्य बच्चे नंगे पैर चलने से, गंदे हाथों से खाना खाने से या फिर बिना ढका हुआ भोजन खाने से, लार्वा के संपर्क में आने से संक्रमित हो जाते हैं।

कृमि संक्रमण चक्र

→ निर्देश: आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को हैंडआउट खोलने के लिए कहें

कृमि क्या हैं?

- कृमि परजीवी होते हैं, जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते हैं। कृमि मानव शरीर के जरूरी पोषक तत्व को खाते हैं जिनसे मनुष्य में खून की कमी, कुपोषण और वृद्धि में रुकावट होती है।
- कृमि आम तौर पर 3 प्रकार के होते हैं:
 - राउंड कृमि • व्हिप कृमि • हुक कृमि

→ निर्देश: हैंडआउट में दिए गए चित्र को देखने के लिए कहें

कृमि संक्रमण चक्र:

→ हैंडआउट में दिए गए संक्रमण चक्र पर ध्यान देने के लिए कहें और इसके माध्यम से कृमि संक्रमण चक्र को समझाएँ

- कृमि की जितनी अधिक मात्रा (तीव्रता) होगी संक्रमित बच्चों में लक्षण उतने अधिक होंगे।
- हल्के संक्रमण वाले बच्चों को आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते पर उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- तीव्र संक्रमण से कई लक्षण होते हैं जैसे कमजोरी, भूख न लगना, खून की कमी व कुपोषण।

निर्देश: पहले बताए लक्षण के साथ कृमि संक्रमण से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिसके कारण भविष्य में उनकी कार्यक्षमता और औसत आय में कमी आ सकती है।

अध्ययन दर्शाता है कि स्कूल में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम करने से बच्चों की अनुपस्थिति में 25% की कमी आती है



कृमि नियंत्रण कार्यक्रम

- कृमि से संक्रमित करोड़ों बच्चों के इलाज का सबसे आसान तरीका है कृमि नियंत्रण की दवाई देना।
- एल्बेंडाजॉल (400mg) बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित है।
- यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है।



बच्चों पर कृमि नियंत्रण के फायदे:

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानिक फायदे

- स्कूल और आंगनवाड़ी में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ

आयु अनुसार खुराक:

क्रम	उम्र	एल्बेंडाजॉल (चबाने वाली गोली)
1	1 से 2 साल के बच्चे	एल्बेंडाजॉल (आधी गोली)
2	2 से 19 साल के बच्चे	एल्बेंडाजॉल (पूरी गोली)



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और
माँप अप दिवस

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 सितम्बर 2016 को मनाया जाएगा।
- इस कार्यक्रम को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा है।
- इस दिन स्कूल व आंगनवाड़ी के माध्यम से 1–19 साल के सभी नामांकित, पंजीकृत, गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को एल्बेंडाजॉल निःशुल्क खिलाई जाएगी।
- आंगनवाड़ी में 1–5 साल के सभी पंजीकृत और गैर-पंजीकृत बच्चों और 6–19 साल के स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा दवाई खिलाई जाएगी।
- स्कूल में 6–19 साल के सभी नामांकित बच्चों को टीचर द्वारा दवाई दी जाएगी।
- स्कूलों और आंगनवाड़ी में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की मदद से एक ही दिन में अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचा जा सकता है।
- जो बच्चे कृमि मुक्ति दिवस पर अनुपस्थिति या बीमारी के कारण छूट गए हैं उन्हें यह दवाई 17 सितम्बर 2016 मॉप-अप दिवस पर दें।
- गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आशा कार्यकर्ता नज़दीकी आंगनवाड़ी पर कृमि नियंत्रण के लिए लाएँ।

आंगनवाड़ी केन्द्र



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लिए
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में आपकी जिम्मेदारियाँ

आंगनवाड़ी आधारित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लाभ

1. आंगनवाड़ी-

- बड़ी संख्या में बच्चों को सुरक्षित ढंग से कृमि नियंत्रण की दवाई देने का एक बढ़िया अवसर और मंच मिलता है।
- कार्यक्रम को एक ही दिन में अधिक बच्चों तक पहुँचाने के लिए योग्य बनाते हैं क्योंकि अधिक लक्षित बच्चे आंगनवाड़ी में मौजूद होते हैं।

2. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता दवाई देने के लिए एक अनमोल स्रोत हैं।
- वे बच्चों और माता-पिता को शिक्षित कर सकती हैं क्योंकि समुदाय में उनका काफी सम्मान होता है और उन पर भरोसा किया जाता है।

कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की कुछ सामान्य जिम्मेदारियाँ हैं जो उन्हें राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले, कृमि मुक्ति दिवस और उसके बाद पूरी करनी होती हैं:

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

1. आपके केन्द्र में सभी बच्चों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाई का उपलब्ध करें
2. ए.एन.एम और स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें और उनका फोन नम्बर संभाल कर रखें
3. 6–19 वर्ष के स्कूल ना जाने वाले बच्चों की सूची आप आशा से प्राप्त करें। आशा कृमि मुक्ति दिवस से पूर्व अपने क्षेत्र में गृह भ्रमण के समय सभी स्कूल ना जाने वाले बच्चों की सूची तैयार करेंगी।
4. आपके पास राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले निम्नलिखित सामग्री हो:
 - आंगनवाड़ी रिजिस्टर
 - रिपोर्टिंग फॉर्म (आशा, आंगनवाड़ी)
5. पोस्टर बैनर आदि आइ ई सी को सही तरीके से लगायें ताकि सभी उसे पढ़ पायें
6. कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के बारे में बच्चों, माता-पिता और समुदाय को जागरूक करें



सामुदायिक जागरूकता में आपकी
अहम भूमिका

- समुदाय को बच्चों के स्वास्थ्य पर कृमि संक्रमण के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताएँ।
- समुदाय को कृमि नियंत्रण के लाभ एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बारे में बताएँ।
- माता-पिता और आंगनवाड़ी पर आने वाली महिलाओं को कृमि मुक्ति दिवस पर अपने बच्चों को आंगनवाड़ी पर लाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चे जब आंगनवाड़ी पर आये तो उन्हें और उनके माता-पिता/अभिभावकों को कृमि नियंत्रण और कृमि मुक्ति दिवस के बारे में बताएँ।
- ग्राम पंचायत और वी.एच.एस.एन.सी. मीटिंग द्वारा समुदाय के लोगों को जागरूक करने में आशा का मार्गदर्शन और मदद करें।
- सामुदाय को सूचित करें कि भिन्न स्रोतों से इस कार्यक्रम के बारे में प्रचार किया जा रहा है जैसे अखबार, टीवी, रेडियो इत्यादि।



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर:

- सुनिश्चित करें कि आपके आसपास आवश्यक सुविधाएं ज़रूर हों जैसे:
 - पीने का साफ पानी • पीने के लिए गिलास • उपस्थिति रिजिस्टर
 - दवाई को चूरा करने के लिए चम्मच • आपातकालीन फोन नंबर
- **एल्बेंडाजॉल दवाई देने का तरीका:**
 - 1–2 साल के बच्चों के लिए आधी गोली दें। गोली को चम्मच से पूरी तरह चूरा करके पीने के पानी में मिलाकर ही पिलाएँ।
 - 2–19 साल के बच्चों के लिए एक पूरी गोली दें।
 - गोली का सेवन खाली पेट भी किया जा सकता है।

क्या करें?	क्या न करें?
• सांस में अवरोध से बचने के लिए हमेशा बच्चों को दवाई चबाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें • आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएँ	• जो बच्चा बीमार है या अन्य कोई दवाई ले रहा है, उन्हें यह दवाई ना दें • बिना चबाए दवाई गटकने के लिए बच्चों से ना कहें • दवाई घर ले जाने ना दें

- **आंगनवाड़ी में प्रतिकूल घटना (साइड इफेक्ट्स) होने पर क्या करें?**
 - यह दवाई बच्चों और बड़ों दोनों के लिए सुरक्षित है।
 - जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली लक्षण जैसे-जी मचलना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।
 - यह साइड इफेक्ट्स अस्थायी होते हैं और आम तौर पर आसानी से आंगनवाड़ी में संभालें जा सकते हैं।
 - ऐसी स्थिति में बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें और बच्चे को निगरानी में रखें।
- **एल्बेंडाजॉल आसानी से चबाने वाली गोली है** – फिर भी अगर गोली का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ हल्के से थपथपाएं जिससे गोली निकल जाए।
- किसी भी चिकित्सिक सहायता के लिए **108** नम्बर पर फोन करें।



रिकार्डिंग



रिपोर्टिंग

राष्ट्रीय कृषि मुक्ति दिवस आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म			
*नीचे दिये गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली ना छोड़ें।			
राज्य		जिला का नाम	
ब्लॉक का नाम		ग्राम/नगर का नाम	
परियोजना का नाम		आंगनवाड़ी केंद्र	
क्या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने कृषि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण प्राप्त किया है? (हां/नहीं)?		उपकेंद्र	
		आंगनवाड़ी कोड	
		आंगनवाड़ी नंबर	
एल्वेडाजॉल कवरेज	लड़कियां	लड़के	कुल
आंगनवाड़ी केंद्र में नामांकित बच्चों की कुल संख्या			(A)
पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल) जिन्हें कृषि मुक्ति दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई			(1)
पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल) जिन्हें मॉप-अप दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई			(2)
गैर-पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल) जिन्हें कृषि मुक्ति दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई			(3)
गैर-पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल) जिन्हें मॉप-आप दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई			(4)
स्कूल ना जाने वाले बच्चों की कुल संख्या (6 से 10 साल) जिन्हें कृषि मुक्ति दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई			(5)
स्कूल ना जाने वाले बच्चों की कुल संख्या (6 से 10 साल) जिन्हें मॉप-आप दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई			(6)
स्कूल ना जाने वाले किशोर, किशोरियों की कुल संख्या (10 से 19 साल) जिन्हें कृषि मुक्ति दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गयी			(7)
स्कूल ना जाने वाले किशोर, किशोरियों की कुल संख्या (10 से 19 साल) जिन्हें मॉप-अप दिवस पर एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई			(8)
कुल योग: बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्वेडाजॉल की दवाई दी गई (B=1+2+3+4+5+6+7+8)	(B)		
आंगनवाड़ी द्वारा सूचित कुल गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारूप प्रस्तुत करें)			
लॉजिस्टिक विवरण			
आंगनवाड़ी केंद्र को प्राप्त एल्वेडाजॉल गोлияयों की कुल संख्या			
आंगनवाड़ी केंद्र द्वारा बच्चों को खिलाई गई एल्वेडाजॉल की गोлияयों की कुल संख्या (कृषि मुक्ति दिवस और मॉप अप दिवस)			
आंगनवाड़ी केंद्र के पास बची एल्वेडाजॉल गोलिएयों की कुल संख्या			
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का नाम:	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का हस्ताक्षर:		
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का फोन नम्बर	फॉर्म को जमा करने की तिथि		
किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य कार्यालय (नाम:फोन नं.) से संपर्क कर सकते हैं।			
आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म — अगस्त 2016 तक ए एन एम के पास जमा करें			
ए एन एम सभी आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक पर —अगस्त 2016 तक जमा करें रिकॉर्ड और सत्यापन (वैरिफिकेशन) के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इस फॉर्म की दो कॉपी बनाएँ एक कॉपी ए एन एम को जमा करें और दूसरी कॉपी आंगनवाड़ी में रखें।			

राष्ट्रीय कृषि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए सही तरीके और समय पर रिपोर्ट करने में आपकी अहम भूमिका!

1. रिकॉर्डिंग

- आशा द्वारा बनाई स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची (आशा रिपोर्टिंग फॉर्म) की एक कॉपी आशा कार्यकर्ता से लें।
- आशा द्वारा बनाई सूची से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने पास रखी किशोरियों की सूची को भी अपडेट करें।
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई देने के साथ-साथ रजिस्टर और आशा द्वारा बनाई सूची (आशा फॉर्म) में सभी बच्चों के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगायें।
- मॉप-अप दिवस पर दवाई देने के साथ-साथ रजिस्टर और आशा द्वारा बनाए सूची में सभी बच्चों के नाम के आगे दो सही का (✓✓) निशान लगायें।

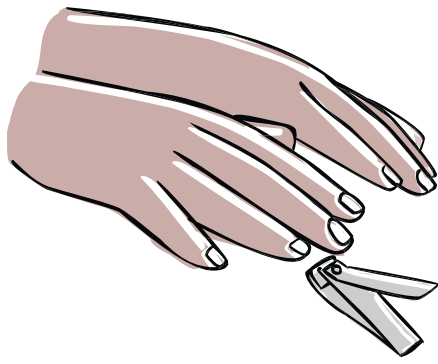
➔ निर्देश: आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को हैंडआउट से अलग करने को कहें, उसे भरना विस्तार में समझाएँ।

2. रिपोर्टिंग

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप दिवस की रिपोर्टिंग फॉर्म में दर्ज करें। 22 सितम्बर 2016 तक ए एन एम को दें।
- 6—19 साल के स्कूल ना जाने वाले बच्चों के आंकड़ों के लिए आशा द्वारा बनाई सूची का प्रयोग करें।
- आशा रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी ए एन एम को जमा करें।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनिश्चित करें कि संख्या/गिनती सही की गई है।
- रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी अपनी आंगनवाड़ी पर संभाल कर रखें।

➔ (निर्देश: प्रशिक्षक साथ दिए रिपोर्टिंग की गाइडलाइन के बारे में विस्तार में बताएं)

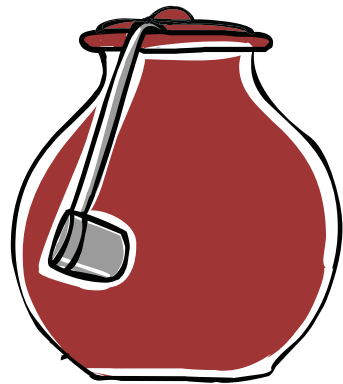
नाखून साफ
और छोटे रखें



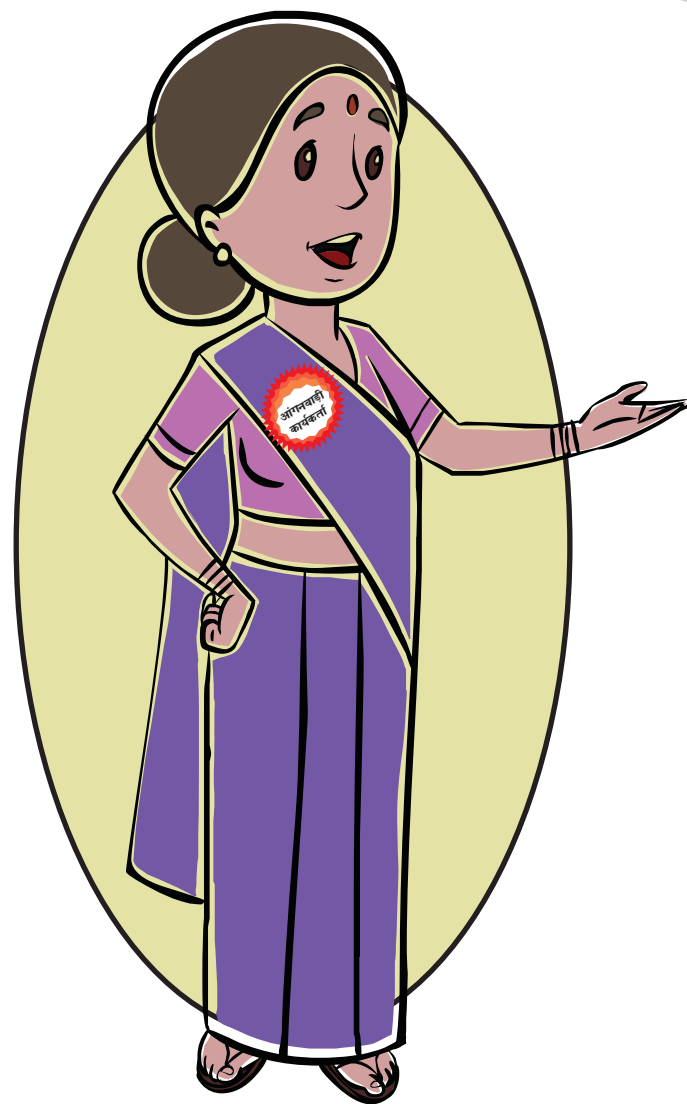
आस पास
सफाई रखें



हमेशा साफ
पानी पीएं



खाने को ढक
कर रखें



जूते पहनें



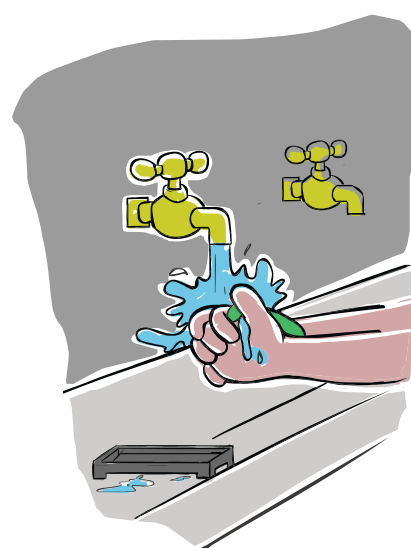
साफ पानी
से फल व
सब्जियाँ धोएँ



खुले में शौच न
करें, हमेशा शौचालय
का प्रयोग करें



अपने हाथ साबुन से
धोएँ, विशेषकर खाने
से पहले और शौच
जाने के बाद



कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

राजू अब स्वस्थ महसूस करता है

कृमि नियंत्रण के साथ-साथ राजू और समुदाय को इन महत्वपूर्ण बातों के बारे में जरूर बताएं:

- घर, आंगन व आसपास सफाई रखें
- जूते पहनें
- खुले में शौच न करें, शौचालय का प्रयोग करें
- अपने हाथ साबुन से अवश्य धोएँ, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद
- साफ पानी से फल व सब्जियाँ धोएँ
- खाने को ढक कर रखें
- हमेशा साफ पानी पीएं
- नाखून साफ और छोटे रखें

सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को एकसाथ राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लिए प्रोत्साहित करें और सब मिलकर कहें:

कृमि से छुटकारा, सेहतमंद भविष्य हमारा





याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 सितम्बर 2016

मॉप-अप दिवस 17 सितम्बर 2016

आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 22 सितम्बर 2016